पाठ - दो बैलों की कथा

शब्दार्थ -

1. निरापद	=	सुरक्षित।
2. अनायास	=	अचानक।
3. मिसाल	=	उदाहरण।
4. वंचित	=	रहित।
5. विग्रह	=	लड़ाई।
6. जालिम	=	अत्याचारी।
7. गोई	=	बैलों की जोड़ी।
8. चरनी	=	चारा खाने की जगह या पात्र।
9. प्रतिवाद	=	विरोध।
10. बछिया के ताऊ	=	मूर्ख।
11. बेतहाशा	=	बिना होश-हवास के।
12. जोखिम	=	खतरा।
13. साबिका	=	सरोकार।
14. चेत उठना	=	सावधान रहना।
15. अंतर्ज्ञान	=	भीतरी समझ।
16. अश्रद्ध	=	असम्मान से।
17. पांगुर करना	=	जुगाली करना।
18. रेवड़	=	समूह झुण्ड।

egyanarchive

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. कॉजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी क्यों ली जाती होगी?

उत्तर : काँजीहौस में दूसरों के खेत में घुसकर फसल को हानि पहुंचाने वाले पशुओं को बन्द करा दिया जाता था। बन्द पशुओं का रिकार्ड एक रजिस्टर में दर्ज किया जाता था। यदि किसी पशु का मालिक उसको लेने आता था तो उस रिकार्ड के आधार पर पशु का मालिक उसको लेने आता था तो उस रिकार्ड के आधार पर पशु को जुर्माना लेकर छोड़ दिया जाता था। परन्तु जिन पशुओं के मालिक नहीं आते थे, उनकी नीलामी की जाती थी। अतः काँजीहौस में पशुओं की सही जानकारी रखने के लिए उनकी हाजिरी ली जाती होगी।

प्रश्न 2. छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया?
उत्तर : छोटी बच्ची की माँ मर चुकी थी। उसकी सौतेली माँ उसे मारती थी और उसके साथ अच्छा व्यवहार नहीं करती थी। वह माँ के बिछुड़ने का दर्द जानती थी। इसलिए हीरा-मोती की व्यथा देखकर उसके मन में उनके प्रति प्रेम उमड़ आया, क्योंकि उसे लगा कि वे भी उसी की तरह अभागे हैं।

प्रश्न 3. कहानी में बैलों के माध्यम से कौन-कौन से नीति-विषयक मूल्य उभरकर आए हैं?
उत्तर : प्रस्तुत कहानी में बैलों के माध्यम से निम्नलिखित नीति-विषयक मूल्य उभरकर सामने आये हैं

1. सरल-सीधा और अत्यधिक सहनशील नहीं होना चाहिए, क्योंकि अत्यधिक सीधे इन्सान को 'गधा' कहा जाता है। इसलिए मनुष्य को अपने अधिकारों के प्रति संघर्षरत रहना चाहिए।
2. मनुष्य को हमेशा स्वामिभक्ति, सहयोग, परोपकार, मित्रता और नारियों के प्रति सहयोग की भावना रखनी चाहिए।
3. आजादी पाने के लिए मनुष्य को बड़े से बड़ा कष्ट उठाने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।
4. मनुष्य को नारी जाति का सम्मान करने वाला, धर्म की मर्यादा मानने वाला तथा सच्ची आत्मीयता रखने वाला होना चाहिए।

प्रश्न 4. प्रस्तुत कहानी में प्रेमचन्द ने गधे की किन स्वभावगत विशेषताओं के आधार पर उसके प्रति रूढ़ अर्थ 'मूर्ख' का प्रयोग न कर किस नये अर्थ की ओर संकेत किया है?
उत्तर : प्रस्तुत कहानी में प्रेमचन्द ने गधे के लिए रूढ़ अर्थ 'मूर्ख' का प्रयोग न करके उसे सन्तोषी, सहनशील, सुख-दुःख में समान रहने वाला, क्रोधरहित एवं स्थिर व्यवहार वाला बताया है। इस आधार पर उसकी तुलना ऋषि मुनियों के स्वभाव से की है। इस प्रकार कथाकार ने गधे के सहिष्णु, सद्गुणी एवं सन्तोषी स्वभाव वाले अर्थ की ओर संकेत किया है।

egyanarchive

प्रश्न 5. किन घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी?
उत्तर : 'दो बैलों की कथा' में कुछ घटनाएँ ऐसी हैं, जिनसे हीरा और मोती की गहरी दोस्ती का पता चलता है। यथा

1. वे एक-दसरे को सूंघ कर व चाटकर अपना प्रेम प्रकट करते थे।
2. दोनों बैलगाड़ी या हल में जोते जाने पर ज्यादा से ज्यादा बोझ स्वयं ढोने का प्रयास करते थे।
3. मटर के खेत में दोनों मस्त होकर, सींग मिलाकर एक-दूसरे को ढेलने लगे। तब हीरा को क्रोधित देखकर मोती ने उसके साथ कठोर व्यवहार किया और दोस्ती को दुश्मनी में नहीं बदलने दिया।
4. गया द्वारा हीरा की निर्दयतापूर्वक पिटाई करने पर मोती का क्रोध भड़क उठा और वह हल, जुआ आदि लेकर भाग निकला और उनको तोड़-ताड़कर बराबर कर दिया।
5. दोनों मित्रों ने सहयोगी रणनीति से सांड का मुकाबला कर उसे परास्त किया।
6. मटर के खेत में मोती के पकड़े जाने पर हीरा भी उसके पास आ गया। रण वालों ने उसे भी पकड़ लिया।

7. काँजीहौस में दीवार गिराने पर जब हीरा की रस्सी नहीं टूटी तो मोती भी अकेले बाहर नहीं गया। इस तरह के आचरण से दोनों में गहरी दोस्ती दिखाई दी।

प्रश्न 6. "लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो।"-हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचन्द के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर : हीरा के उक्त कथन के माध्यम से प्रेमचन्द का स्त्री-जाति के प्रति सम्मान का भाव व्यक्त हुआ है। भारतीय संस्कृति में 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः' कथन से नारी को सम्मानित एवं पूज्या माना गया है। हमारे समाज में कुछ लोग स्त्री को केवल भोग्या तथा साधारण जीव मानते हैं, उसका शोषण-उत्पीड़न करते हैं, मारते-पीटते भी हैं, परन्तु प्रेमचन्द का ऐसा दृष्टिकोण नहीं रहा है। उन्होंने स्त्री को समता एवं सम्मान का पात्र बताया है।

प्रश्न 7. किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी सम्बन्धों को कहानी में किस तरह व्यक्त किया गया है?
उत्तर : कहानी में किसान जीवन वाले समाज में मनुष्य और पशु का घनिष्ठ संबंध बताया गया है। वे एक-दूसरे के सहायक और पूरक रहे हैं। किसान पशुओं को घर का सदस्य मानकर उनसे प्रेम करता है और पशु भी अपने स्वामी के लिए जी-जान देने को तैयार रहते हैं। झूरी हीरा-मोती को घर के सदस्यों की तरह स्नेह करता था। इसीलिए हीरा-मोती दो बार उसकी ससुराल से भाग कर अपने थान पर खड़े हुए थे। उन्हें देखकर वह ही नहीं उसकी पत्नी भी आनन्द से भर उठी थी। इससे पता चलता है कि किसान अपने पशुओं से मानवीय व्यवहार करते हैं।

प्रश्न 8. "इतना तो हो ही गया कि नौ-दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगे"-मोती के इस कथन के आलोक में उसकी विशेषताएँ बताइए।
उत्तर : इस कथन से ज्ञात होता है कि मोती स्वभाव से उग्र किन्तु दयालु बैल है। वह अत्याचार का विरोधी, पीड़ितों के प्रति सहानुभूति रखने वाला और आजादी का समर्थक है। इसीलिए वह काँजीहौस की दीवार तोड़कर बन्द पड़े पशुओं को आजाद कर देता है। उसे इस बात पर सन्तोष होता है कि अब चाहे कुछ भी हो। इतना तो हो गया कि मेरे प्रयास से नौ-दस प्राणियों की जान बच गयी।

egyanarchive

प्रश्न 9. आशय स्पष्ट कीजिए
(क) अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित
उत्तर : आशय-सामान्य पशु होते हुए भी हीरा और मोती एक-दूसरे के मनोभावों को समझ लेते थे तथा मूक भाषा में विचार-विनिमय करते थे। इससे कथाकार का मानना है कि उन दोनों बैलों के पास अवश्य ही कोई गुप्त शक्ति थी जिसके माध्यम से मूक-भाषा में वे एक-दूसरे की मन की भावनाओं को समझ लेते थे। मनुष्य सभी जीवों में श्रेष्ठ है, परन्तु उसके पास ऐसी गुप्त शक्ति का अभाव है, जो बिना बोले ही दूसरों की भावनाओं को स्पष्टतया समझ सके।

(ख) उस एक रोटी से उनकी भूख तो क्या शान्त होती, पर दोनों के हृदय को मानो भोजन मिल गया।
उत्तर : आशय-गया के घर में हीरा-मोती के साथ अत्याचार होता था। गया उन्हें मारता था और खाने के लिए सूखा भूसा

देता था। दोनों बैल इसे अपना अपमान समझते थे। सन्ध्या के समय उसी घर की एक छोटी सी बच्ची ने दो रोटियाँ लाकर उन दोनों को खिलायीं। एक-एक रोटी से उनकी भूख क्या शान्त होती, परन्तु छोटी बच्ची के प्रेमपूर्ण व्यवहार को देखकर उन दोनों में एक शक्ति का संचार हो गया, मानो उन्हें अच्छा भोजन मिल गया और उनके हृदय में यह भाव जागा कि यहाँ पर भी किसी सज्जन का वास है।

प्रश्न 10. गया ने हीरा-मोती को दोनों बार सखा भूसा खाने के लिए दिया क्योंकि -
(क) गया पराये बैलों पर अधिक खर्च नहीं करना चाहता था।
(ख) गरीबी के कारण खली आदि खरीदना उसके बस की बात न थी।
(ग) वह हीरा-मोती के व्यवहार से बहुत दुःखी था।
(घ) उसे खली आदि सामग्री की जानकारी न थी।

सही **उत्तर** के आगे (✓) का निशान लगाइए।

उत्तर : (ग) वह हीरा-मोती के व्यवहार से बहुत दुःखी था। (✓)

रचना और अभिव्यक्ति -

प्रश्न 11. हीरा और मोती ने शोषण के खिलाफ आवाज उठाई, लेकिन उसके लिए प्रताड़ना भी सही। हीरा मोती की इस प्रतिक्रिया पर तर्क सहित अपने विचार प्रकट करें।

उत्तर : प्रस्तुत कहानी में हीरा-मोती को स्वतन्त्रता-आन्दोलन के क्रान्तिकारियों के प्रतीक रूप में रखा गया है। इन दोनों ने गया के घर जाने पर मातृभूमि के प्रति अपना प्रेम दर्शाने और अत्याचार-शोषण का विरोध करने में अपनी क्षमता का परिचय दिया। इस संघर्ष में उन्हें वहाँ प्रताड़ना मिली, मार भी खानी पड़ी और भूखा भी रखा गया, फिर भी वे अपने ढंग से उसका विरोध भी करते रहे। इस तरह गुलामी के बदले आजादी की लालसा में उन्होंने संघर्षरत रहने की अपनी बलवती भावना का परिचय दिया।

egyanarchive

प्रश्न 12. क्या आपको लगता है कि यह कहानी आजादी की लड़ाई की ओर संकेत करती है?

उत्तर : अप्रत्यक्ष रूप से यह कहानी अंग्रेजों की दासता से मुक्ति की कहानी है और इसमें हीरा-मोती क्रान्तिकारियों के प्रतीक हैं। जिस समय यह कहानी लिखी गयी, उस समय भारत में स्वतन्त्रता आन्दोलन चल रहा था। अपनी बात को खुलकर न कह सकने के कारण प्रेमचन्द ने दो बैलों के माध्यम से आजादी की लड़ाई की ओर संकेत किया। हीरा-मोती को लेकर कहानी में जो घटना-क्रम एवं विचाराभिव्यक्ति दर्शायी गई है, वह सब आजादी की लड़ाई से मेल खाती है। जहाँ झूरी का घर स्वराज्य का और गया का घर पराधीनता का प्रतीक है वहीं हीरा अहिंसा का और मोती क्रान्ति का प्रतीक है। अन्त में इन दोनों की विजय बताई गयी है।

भाषा अध्ययन -

प्रश्न 13. बस इतना ही काफ़ी है।
फिर मैं भी जोर लगाता हूँ।
'ही' 'भी' वाक्य में किसी बात पर जोर देने का काम कर रहे हैं। ऐसे शब्दों को निपात कहते हैं। कहानी में से ऐसे पाँच वाक्य छाँटिये, जिनमें निपात का प्रयोग हुआ हो।

उत्तर :

1. जोर तो मारता ही जाऊँगा।
2. न भिड़ने पर भी जान बचती नहीं नजर आती।'
3. एक ने भी उसमें मुँह न डाला।
4. आएगा तो दूर ही से खबर लूँगा।
5. साँड को भी संगठित शत्रुओं से लड़ने का तजरबा न था।

प्रश्न 14. रचना के आधार पर वाक्यभेद बताइए तथा उपवाक्य छाँटकर उसके भेद भी लिखिए -
(क) दीवार का गिरना था कि अधमरे-से पड़े हुए सभी जानवर चेत उठे।
उत्तर : यह मिश्र वाक्य है।
(i) दीवार का गिरना था - प्रधान या मुख्य उपवाक्य
(ii) अधमरे से पड़े हुए सभी जानवर चेत उठे। - आश्रित क्रिया, विशेषण उपवाक्य

(ख) सहसा एक दढ़ियल आदमी, जिसकी आँखें लाल थीं और मुद्रा अत्यन्त कठोर, आया।
उत्तर: यह मिश्र वाक्य है।
(i) सहसा एक दढ़ियल आदमी आया। - प्रधान उपवाक्य
(ii) जिसकी आँखें लाल थीं। - आश्रित विशेषण उपवाक्य
(iii) और मुद्रा अत्यन्त कठोर। - आश्रित विशेषण उपवाक्य

egyanarchive